11 अध्याय

उत्तरी अमेरिका

इस अध्याय में आप सीखेंगे कि:

- उत्तरी अमेरिका का परिचय उसकी भौतिक सरंचना कैसी है।
- उत्तरी अमेरिका के विविध सामाजिक, आर्थिक तथा राजनैतिक पहलू क्या है।

परिचय (Introduction)

उत्तरी अमेरिका, एशिया और अफ्रीका महाद्वीप के बाद संसार का तीसरा सबसे बड़ा महाद्वीप है।

यह महाद्वीप तीन महासागरों से घिरा है:
पश्चिम में—प्रशांत महासागर
पूर्व में—अटलांटिक महासागर
उत्तर में—आर्कटिक महासागर

यह महाद्वीप उत्तर-पश्चिम में अलास्का, उत्तर-पूर्व में लैब्राडोर तथा दक्षिण में पनामा के मध्य फैला हुआ है। उत्तरी अमेरिका उत्तर दिशा में ठंडे और वीरान द्वीपों की शृंखला में टूटा हुआ है जबकि दक्षिण में यह महाद्वीप, भूमि की एक संकरी पट्टी के रूप में बदल गया है जिसे 'मध्य अमेरिका' कहते है जो उत्तरी अमेरिका और दक्षिणी अमेरिका को आपस में जोड़ता है। 'पश्चिमी द्वीप' (वेस्टइंडीज) समूह के नाम से प्रसिद्ध अनेक द्वीपों का एक समूह भी इसी महाद्वीप का अंग है। उत्तरी अमेरिका का कुल क्षेत्रफल 2 करोड़ 40 लाख वर्ग किलोमीटर से कुछ अधिक है इसका तीन-चौथाई क्षेत्र कनाडा और संयुक्त राज्य अमेरिका के अंतर्गत आता है तथा शेष एक चौथाई भाग में ग्रीनलैंड, मैक्सिकों तथा कई छोटे-छोटे देश आते हैं।

भौतिकी भूगोल (Physical Geography)

- उत्तरी अमेरिका को चार प्रमुख भौतिक भागों में विभाजित किया जा सकता है, ये हैं:

1. कनेडियन शील्ड
2. अपलेशियन पर्वत या पूर्वी उच्च भूमियाँ
3. मध्यवर्ती विशाल मैदान
4. पश्चिमी कार्डिलेरा या पर्वत श्रेणी

कनेडियन शील्ड

- प्राचीन कठोर चट्टानों से निर्मित यह शील्ड, कनाडा के लगभग आधे भाग में फैली है। यहाँ निरन्तर अपरदन और अपक्षय के कारण इसकी ऊँचाई 300-400 मीटर से भी कम रह गई है।
- इसके बड़े भाग में दलदली भूमि और अनेक झीलों जैसे-ग्रेट बियर, विनिपेग तथा ग्रेट लेक्स है।
- इसके उत्तरी भाग वर्ज़ के अधिकतर महीनों में बर्फ और हिम से ढके रहते हैं।
- इसके दक्षिणी भाग में 'ग्रेट लेक्स' तथा 'सेंट लारेंस' नदी की निम्न भूमियाँ हैं। सेंट लारेंस इस प्रदेश की मुख्य नदी है जो अटलांटिक महासागर में गिरती है।

ध्यातव्य हो कि

यह नदी उत्तरी अमेरिका का सबसे अधिक व्यस्त अन्त: स्थलीय जलमार्ग है।

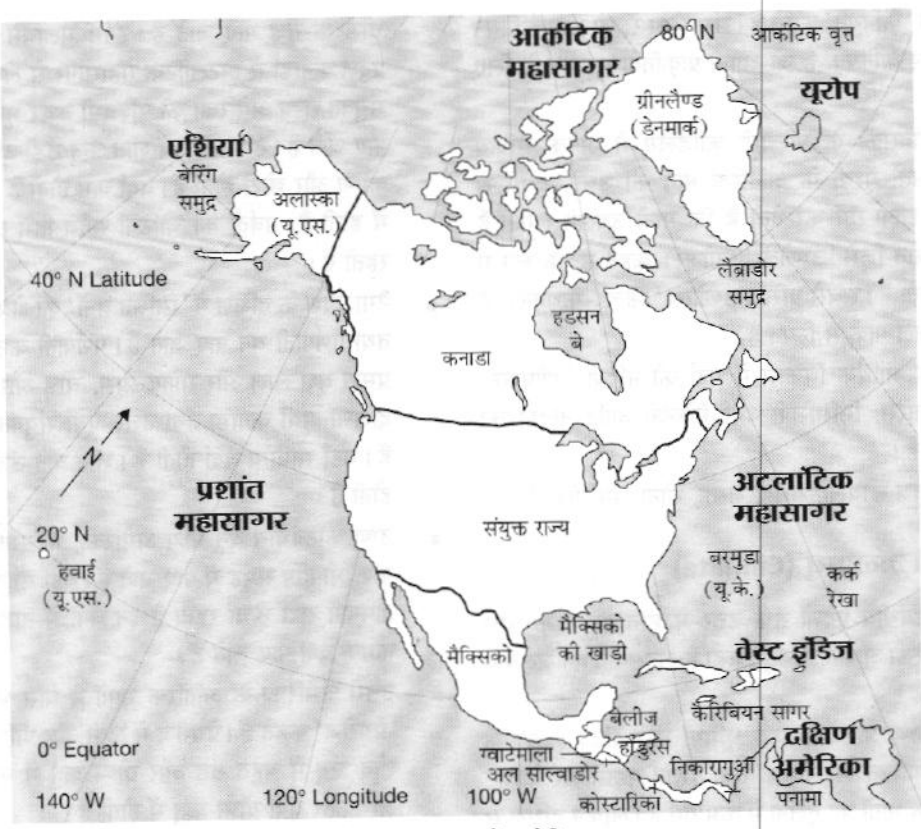

चित्र 11.1: उत्तरी अमेरिका

- विश्व प्रसिद्ध 'नियाग्रा जल प्रपात' इरी और ओंटेरियो झील के बीच स्थित है।
- कनेडियन शील्ड बहुमूल्य खनिज संसाधनों का भंडार है। यहाँ सोना, चाँदी, निकल, लोहा, ताँबा, प्लैटिनम, रेडियम, कोबाल्ट और यूरेनियम पाए जाते है।

अपलेशियन पर्वत

- यह उत्तर-पूर्व में स्थित है जिसे 'पूर्वी उच्च भूमि' के नाम से जाना जाता है। किसी समय में यह पर्वत बहुत ऊँचे थे परंतु सदियों से नदियाँ और हिमानियाँ इनका अपरदन करती रही हैं। परिणामस्वरूप घिस-घिस कर इनकी ऊँचाई कम हो गई है।
- हडसन नदी अपलेशियन पर्वतों से होकर बहती है। इसे इरी नहर के द्वारा 'ग्रेट लेक्स' से जोड़ दिया गया है।
- यहाँ के प्रमुख खनिज कोयला, ताँबा और सीसा है।

मध्यवर्ती विशाल मैदान

- उत्तरी अमेरिका का मध्यवर्ती भाग मध्यवर्ती विशाल मैदान या निम्न भूमि के नाम से जाना जाता है। यह अपलेशियन पर्वतों से लेकर राकी पर्वतों तक 2000 किलोमीटर तक तथा उत्तर में मैकेन्जी नदी के डेल्टा से लेकर दक्षिण में टेक्सास के तटीय मैदानों के छोर तक 6000 किलोमीटर तक फैला है।
- इसके मध्यवर्ती और दक्षिणी भाग में मिसिसिपी-मिसौरी नदियों की विशाल, निम्न तथा समतल द्रोणी फैली हुई है जिसकी मिट्टी कृषि कार्य के लिए बहुत उपजाऊ है।

पश्चिमी कोर्डिलेरा

- इस महाद्वीप की पूरी लंबाई में उत्तर से दक्षिण तक फैला यह क्षेत्र पर्वतीय प्रदेश है जिसका सबसे ऊँचा पर्वत शिखर 'माउण्ट मैकिन्ले' है जो अलास्का में स्थित है। इसके अलावा कुछ समान्तर पर्वत श्रेणियां भी हैं 'रॉकी पर्वत' इसका श्रेष्ठ उदाहरण है। तटीय श्रेणी तथा सियरा नेवादा इसकी दो अन्य पर्वत श्रेणियाँ हैं। इन पर्वत श्रेणियों से घिरे कुछ अंतरा-पर्वतीय पठार है। 'ग्रेट बेसिन' इस महाद्वीप का सबसे बड़ा अंतरा-पर्वतीय पठार है।
- ग्रेट बेसिन के दक्षिण में 'कोलोराडो का पठार' है जिसे कोलोरेडो और उसकी सहायक नदियों ने बहुत मुलायम बना दिया है तथा इन मुलायम चट्टानों में बहुत लंबे, गहरे तथा दीवार के समान खड़े किनारे वाले

महाखड्डे हैं जिसे 'कैनियन' कहते हैं। संसार का सबसे बड़ा कैनियन कोलोरेडो का 'ग्राड कैनियन' है जो अपनी प्राकृतिक सुन्दरता के लिए विश्व प्रसिद्ध है।

- अलास्का और मैक्सिको के पश्चिमी कार्डिलेरा में अनेक सक्रिय ज्वालामुखी है। अत: पृथ्वी के आंतरिक भाग की उष्मा, दरारों से भूमिगत जल को इतना गर्म कर देती है कि पानी उबलने लगता है जो गर्म जल के स्रोत जिसे 'उष्णोत्स' (गीजर) कहते है, के रूप में धरातल पर निकलता है। सबसे प्रसिद्ध उष्णोत्स 'ओल्ड-फेथफुल' है जो येलोस्टोन नेशनल पार्क में स्थित है।
- उत्तरी अमेरिका के आर्थिक विकास में यहाँ की नदियों विशेषकर- कोलोराडो, सेंट लारेंस, मिसिसिपी और मैकेन्जी आदि नदियों की महत्वपूर्ण भूमिका है।
- यहाँ के प्रमुख खनिज कोयला, सीसा, जस्ता, सोना और ताँबा है।

उत्तरी अमेरिका की जलवायु (Climate)

- दक्षिण में उष्णकटिबंधीय प्रदेशों तथा उत्तर में शीत प्रदेशों के बीच विस्तृत उत्तरी अमेरिका आकार में बहुत बड़ा है अत: यहाँ की जलवायु में बहुत विविधता है।
- उत्तरी ध्रुवीय क्षेत्र तथा पश्चिमी उच्च भूमियाँ बहुत ठंडी हैं जबकि ठंडी धाराओं से प्रभावित अटलांटिक तथा प्रशांत महासारगर के तट महाद्वीप के आंतरिक भागों की तुलना में कम गर्म है। लेकिन दक्षिण से आने वाली गर्म पवनों के प्रभाव से न्यूयार्क जैसे स्थानों में कभी-कभी गर्मी का प्रकोप हो जाता है।
- उत्तरी अमेरिका के तापमान और वर्षा को महासागरीय धाराएँ भी प्रभावित करती है।
- प्रशांत महासागर के तट पर 'पछुआ पवनों' से पूरे वर्ष भारी वर्षा होती है जबकि पूर्वी मध्य अमेरिका की उच्च भूमि तथा पश्चिमी द्वीप समूह (वेस्टइंडीज) में उत्तर पूर्वी 'सन्मार्गी पवनों' से भारी वर्षा होती है।
- शीत ऋतु के तापमानों में ग्रीष्म ऋतु की अपेक्षा क्षेत्रीय विभिन्नताएँ अधिक पाई जाती है जैसे महाद्वीप के उत्तर तथा मध्यवर्ती भागों में तापमान हिमांक से भी नीचे चला जाता है।

उत्तरी अमेरिका की प्राकृतिक वनस्पति (Natural Vegetation)

- महाद्वीप के उत्तरी भाग में शीत ऋतु लंबी होती तथा आठ से नौ महीनों तक बर्फ जमी रहती है यहाँ ग्रीष्म ऋतु अपेक्षाकृत शीतल और छोटी होती है। इस अवधि में केवल काई, लाइकेन ओर कुछ प्रकार की घास ही उग पाती है। इसे 'टुंड्रा प्रदेश' कहा जाता है। ध्रुवीय भालू, कैरिबू, मस्कबैल और हिरन टुंड्रा प्रदेश के प्रमुख जानवर है।
- टुंड्रा प्रदेश के दक्षिण में शंकुधारी वनों की चौड़ी पेटी है जिसे 'टैगा प्रदेश' कहते हैं। इन वनों में बाल्सम, देवदार तथा लाल और सफेद चीड़ के वृक्ष पाए जाते हैं। इनमें मुलायम लकड़ी मिलती है। टैगा प्रदेश कनाडा में अटलांटिक महासागर से लेकर प्रशांत महासागर तथा संयुक्त राज्य अमेरिका की पश्चिमी उच्च भूमियों की उच्च क्षेणियों में पाए जाते है। टैगा प्रदेश में शीत ऋतु ठंडी और कठोर तथा ग्रीष्म ऋतु कोष्ण और छोटी होती है। वर्षा कम होती है और वह भी हिम के रूप में होती है। पर्वतों की चोटियां सदैव हिम और स्थायी बर्फ से ढकी रहती हैं।
- टैगा प्रदेश के दक्षिण में 'मिश्रित वनों' का क्षेत्र है। इन वनों में शंकुधारी तथा पर्णपाती वन पाए जाते हैं। पर्णपाती कठोर लकड़ी वाले वनों के प्रमुख वृक्ष लाल और सफेद स्प्रूस, चीड़ और हैम्लाक है। मिश्रित वन दक्षिणी-पूर्वी कनाडा तथा उत्तर-पूर्वी संयुक्त राज्य अमेरिका में फैले हैं। यहाँ सामान्य वर्षा होती है। शीत ऋतु ठंडी तथा ग्रीष्म ऋतु कोष्ण होती है।
- उष्ण कटिबंधीय बन मध्य अमेरिका, मैक्सिको के पूर्वी भागों में तथा पश्चिमी द्वीप समूह में पाए जाते हैं। यहाँ बहुत भारी वर्षा होती है तथा तापमान सदा ऊँचा रहता है इन वनों में ताड़, मोहगनी और रोजवुड नामक वृक्ष पाए जाते हैं।
- उत्तरी अमेरिका के आंतरिक भागों में घास भूमियां पाई जाती हैं इन्हें 'प्रेयरीज' कहते हैं। प्रेयरीज में लंबी और पौष्टिक घास उगती है। यहाँ शीत ऋतु में बहुत ठंड और ग्रीष्म ऋतु में बहुत गर्मी पड़ती है और अधिकतर वर्षा ग्रीष्म ऋतु में होती है।
- संयुक्त राज्य अमेरिका के दक्षिण पश्चिमी भागों में तथा मैक्सिको के उत्तर पश्चिमी भागों में वर्षा कम होने के कारण वहाँ एक पथरीला और रेतीला मरूस्थल है जहाँ अनेक प्रकार के कैक्टस पाए जाते हैं। यहाँ शीत ऋतु ठंडी तथा ग्रीष्म ऋतु गर्म होती है।
- कैलिफोर्निया के पश्चिमी तट पर भूमध्य सागरीय जलवायु पाई जाती है। यहाँ ग्रीष्म ऋतु गर्म और शुष्क होती हे जबकि शीत ऋतु मृदुल और सामान्य वर्षा वाली होती है। यहाँ के प्रमुख वृक्ष जैतून, चीड़, संतरा, चेरी तथा कार्क ओक है।

आर्थिक भूगोल (Economic Geography)

उत्तरी अमेरिका की भूमि संसाधन (Land Resources)

- उत्तरी अमेरिका के कुल क्षेत्रफल का लगभग दसवाँ भाग कृषि के लिये प्रयुक्त किया जाता है।
- प्रमुख फसलें—मक्का, गेहूँ और जौ
- अन्य फसले—कपास, तंबाकू, सोयाबीन और अलसी

ध्यातव्य हो कि

संसार की आधी मक्का अकेले उत्तरी अमेरिका में पैदा होती है।

- मक्का के पौधे का मूल स्थान संभवत—दक्षिणी मैक्सिको है। यह आज भी मैक्सिको की प्रमुख फसल और भोजन है।
- गेहूँ का उत्पादन कनाडा और संयुक्त राज्य अमेरिका के प्रेयरी क्षेत्र में होता है।
- कपास और तंबाकू मुख्य रूप से मिसिसिपी द्रोणी के दक्षिणी भागों में पैदा की जाती है।
- कपास के उत्पादन में संयुक्त राज्य अमेरिका और मेक्सिका प्रमुख है।
- चावल और गन्ने की खेती मैक्सिको की खाड़ी के तट में मुख्य रूप से की जाती है।

खनिज

- उत्तरी अमेरिका विभिन्न खनिज संसाधनों जैसे—पेट्रोलियम, प्राकृतिक गैस, निकल, जस्ता, एस्बेस्टस, सोना, चाँदी, ताँबा और लौह अयस्क से खूब संपन्न है।

तालिका 11.1: प्रमुख खनिज

प्रमुख खनिज	क्षेत्र
निकल, लौह अयस्क, सोना, प्लेटिनम और ताँबा	कनाडियन शील्ड
लौह अयस्क	सुपीरियर झील का क्षेत्र
सोना	ओंटेरिया
एन्थ्रासाइट तथा उच्चकोटि के बिटुमिनस कोयला	अपलेशियन उच्च भूमियाँ
पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस	मैक्सिकों की खाड़ी तथा अटलांटिक महासागर के तटीय मैदान।
गंधक, फास्फेट और पोटाश	संयुक्त राज्य अमेरिका
ताँबा, पेट्रोलियम, प्राकृतिक गैस, कोयला फास्फेट	पश्चिमी कार्डिलेरा
सीसा और जस्ता	ब्रिटिश कोलम्बिया
चाँदी	मैक्सिको

ध्यातव्य हो कि

ओंटेरिया संसार की सोने की सबसे बड़ी खान है।

ध्यातव्य हो कि

अपलेशियन उच्च भूमियाँ संसार में मुलायम कोयले के सबसे बड़े क्षेत्र।

जल शक्ति

- उत्तर अटलांटिक जलशक्ति के संसाधनों में बहुत सम्पन्न है और बड़े पैमाने पर जल-विद्युत का उत्पादन करता है। सेंट लारेंस नदी, अपलेशियन क्षेत्र तथा कोलोरैडो और कोलम्बिया नदियों की घाटियाँ जल विद्युत के विकास के लिए आदर्श स्थल हैं।
- उत्तरी अमेरिका में नियाग्रा जलप्रपात, जल विद्युत का बहुत बड़ा स्रोत है।

मत्स्य संसाधन

- उत्तरी अमेरिका के उत्तर-पूर्व तट के आस-पास छिछला सागर है जिसमें मछलियां प्रचुर मात्रा में पाई जाती हैं। ऐसे छिछले सागरीय क्षेत्रों को 'मत्स्य बैंक' या 'मत्स्य ग्रहण क्षेत्र' कहते हैं। न्यू फाउंडलैंड के तट के निकट 'ग्रैंड बैंक' नाम का मत्स्य ग्रहण क्षेत्र संसार भर में प्रसिद्ध है।
- प्रशांत महासागर के तट पर 'टूना' और 'सालमन' नाम की मछलियाँ पकड़ी जाती है जिन्हें घरेलू उपयोग एवं निर्यात के लिए संबंधित करके डिब्बों में बंद किया जाता है।

परिवहन

- उत्तरी अमेरिका का परिवहन तंत्र सुविकसित और आधुनिक है। यहाँ सड़कों और रेलमार्गों का एक सघन जाल है। सामानों के परिवहन के लिए अभी भी मुख्य रूप से तटीय तथा अंत: स्थलीय जलमार्गों का प्रयोग किया जाता है।
- उत्तरी अमेरिका में कई अच्छे पत्तन हैं। इनमें से अधिकतर अटलांटिक के तट पर स्थित हैं।
- मिसिसिपी और सेंट लारेंस नौका संचालन के योग्य बड़ी नदियां हैं।
- उत्तरी अमेरिका के सभी महत्वपूर्ण नगर वायुमार्गों द्वारा जुड़े हुए है।

अध्याय सार संग्रह

- क्षेत्रफल की दृष्टि से यह विश्व का तीसरा सबसे बड़ा महाद्वीप है। यह महाद्वीप उत्तर में आर्कटिक महासागर पूरब में अटलांटिक महासागर और पश्चिम में प्रशांत महासागर से घिरा हुआ है। इस महाद्वीप में विश्व का सबसे बड़ा द्वीप ग्रीनलैंड है।
- दक्षिण अमेरिका से उत्तरी अमेरिका पनामा स्थलसंधि के द्वारा जुड़ा हुआ है। इसी स्थलसंधि को काटकर पनामा नहर निकाली गई है जो कैरेबियन सागर (अटलांटिक महासागर का एक भाग है) और प्रशांत महासागर के बीच एक कड़ी का काम करती है।
- कनाडयिन (लॉरेंशियन) शील्ड में हिमोढ़ों के जमाव से अनेक झीलों का निर्माण हुआ है, जिनका उत्तर से दक्षिण क्रम है- ग्रेट बियर, ग्रेट स्लैव, अथावस्का, रेंडियर और विनिपेग झील।
- कनाडयिन शील्ड के दक्षिण में मीठे पानी की पाँच झीलें मिलती हैं। पश्चिम से पूर्व इनका क्रम है- सुपीरियर, मिशीगन, ह्यूरन, इरी और ओंटेरियो। इन पाँचों झीलों को सम्मिलित रूप से 'ग्रेट लेक्स' कहते हैं। 'सुपीरियर झील' विश्व में मीठे पानी की सबसे बड़ी झील है।
- इरी और ओंटारियो के बीच विश्वप्रसिद्ध 'नियाग्रा जलप्रपात' मिलता है।
- इस महाद्वीप के पश्चिम में अलास्का से लेकर पनामा तक लंबी पर्वत श्रेणियाँ मिलती हैं जिसे 'पश्चिमी कार्डिलेरा' कहते हैं। पश्चिम कार्डिलेरा की सर्वप्रमुख पर्वत श्रेणी 'रॉकी' है जिसकी पूरी लंबाई 6000 किमी. है।
- उत्तरी अमेरिका की सबसे ऊँची चोटी मैकिन्ले सक्रिय ज्वालामुखी है जो अलास्का में स्थित है। पोपोकेटेपेटल (मैक्सिको) मृत ज्वालामुखी का उदाहरण है।
- महाद्वीप की पूर्वी उच्चभूमि 'अप्लेशियन पर्वत' कहलाती है। मध्यवर्ती मैदान का उत्तरी भाग कनाडियन प्रेयरी कहलाता है जो गेहूँ, मक्का और कपास की खेती के लिए विश्वप्रसिद्ध है।
- उत्तरी अमेरिका में संयुक्त राज्य अमेरिका के दक्षिण पूर्वी तट (मैक्सिको की खाड़ी) पर चलने वाले चक्रवात हरीकेन और टोरनेडो कहलाते हैं।
- उत्तरी अमेरिका के शीतोष्ण घास का मैदान 'प्रेयरी' कहलाता है।
- यहाँ का प्रमुख मक्का उत्पादक क्षेत्र संयुक्त राज्य के अंतर्गत आता है जो 'मक्का पेटी' (Corn Belt) के नाम से जाना जाता है। कपास के उत्पादन का प्रमुख क्षेत्र मक्के की पेटी का दक्षिणी भाग है जहाँ की भूमि अति उर्वरा है। मिसीसीपी द्रोणी का यह दक्षिणी भाग 'कपास की पेटी' (Cotton Belt) के नाम से प्रसिद्ध है। यहाँ के क्यूबा द्वीप और सी आइलैंड और अपलैंड के अमेरिकी कपास की माँग सारे विश्व में होती है।
- क्यूबा द्वीप को गन्ने का प्रमुख उत्पादक होने के कारण 'चीनी का कटोरा' कहा जाता है।
- संयुक्त राज्य अमेरिका रूस, कनाडा तथा चीन के बाद चौथा सबसे बड़ा देश है।
- सं.रा. अमेरिका में गर्म जल के कई स्रोत हैं, जिसे 'गीजर' कहते है। सबसे प्रसिद्ध गीजर 'ओल्ड फेथफुल' (Old Faithful) एलोस्टोन नेशनल पार्क में स्थित है। एक्सेल्शियर गीजर भी यहीं स्थित है।
- गेहूँ उत्पादन में सं.रा. अमेरिका का विश्व में तीसरा स्थान है। संसार का लगभग एक तिहाई कपास संयुक्त राज्य में पैदा होता है। यह तंबाकू का भी अग्रणी उत्पादक है। वर्जीनिया का तंबाकू अपनी गुणवत्ता के लिए विश्व प्रसिद्ध है।
- सं.रा. अमेरिका ताँबा का दूसरा और चाँदी का तीसरा बड़ा उत्पादक है।
- सं.रा. अमेरिका के मोंटाना राज्य की बूटे खान विश्व की सबसे बड़ी तांबे की खान है। इसे 'पृथ्वी की वृहत्तम संपन्न पहाड़ी' भी कहते है।
- सोना मुख्यत: ओंटारियो से निकाला जाता है। यहाँ संसार की सबसे बड़ी सोने की खान है।
- सं.रा. अमेरिका का सबसे बड़ा औद्योगिक प्रदेश मिसीसिपी नदी से लेकर अटलांटिक महासागर तक फैला है। यह विश्व का सबसे बड़ा औद्योगिक क्षेत्र माना जाता है।
- सं.रा. अमेरिका का डेट्रायट मोटर गाड़ियों के निर्माण के लिए प्रसिद्ध है। विश्व में सर्वाधिक मोटर गाड़ियाँ यहीं बनती हैं। एक्रॉन विश्व का सबसे बड़ा सिंथेटिक रबड़ व टायर बनाने का केंद्र है।
- सान फ्रांसिस्को में 'सिलिकन वैली' है जो कि सॉफ्टवेयर व कम्प्यूटर उद्योग के लिए विख्यात है। प्रसिद्ध नासा केंद्र 'जेएफके' फ्लोरिडा के 'केप केनवेरल' में हैं।
- रूस के बाद कनाडा संसार का दूसरा बड़ा देश है।
- संसार में अखबारी कागज के उत्पादन में कनाडा का पहला स्थान है। यहाँ के कागज उद्योग मांट्रियल में केन्द्रित है।
- कनाडा संसार में गेहूँ का एक अग्रणी निर्यातक देश है। रेड बेसिन में अवस्थित उसका विनिपेग नगर विश्व की सबसे बड़ी गेहूँ मंडी है।
- कनाडा में न्यूफाउंडलैंड और नोवास्कोशिया में क्रमश: ग्रैंड बैंक तथा जॉर्जेज बैंक नामक प्रमुख मत्स्यन क्षेत्र अवस्थित हैं।
- कनाडा के अल्बर्टा प्रांत में अवस्थित 'वुड बफैलो नेशनल पार्क' विश्व का सबसे बड़ा संरक्षित उद्यान है। ओंटारियो में सोने व डॉवसन सिटी (यूक्रॉन) में चाँदी का उत्पादन होता है।
- कनाडा में लौह-अयस्क का सबसे बड़ा निक्षेप लेब्रोडोर-क्यूबेक सीमा पर पाया जाता है। यह संसार के प्रमुख लौह निर्यातक देशों में एक है।
- कनाडा निकेल व कोबाल्ट का विश्व में सबसे बड़ा उत्पादक देश है। ओंटारियो प्रांत के सडबरी खान क्षेत्र में इनके वृहत्तम निक्षेप हैं।
- संसार में सीसे और जस्ते का सबसे बड़ा निक्षेप (भंडार) ब्रिटिश कोलंबिया में है। यहाँ की सुलिवान खान विश्व की सबसे बड़ी सीसा-जस्ता खान है।
- कनाडा में दो पार-महाद्वीपीय रेलमार्ग है—(1) ट्रांस कनाडियन पैसिफिक रेलमार्ग जो न्यू ब्रंसविक के सेंट जोन्स से प्रशांत महासारगर के तट पर स्थित वैंकुवर तक जाता है। (2) कनाडियन राष्ट्रीय रेलमार्ग, जो नोवास्कोशिया के हैलीफैक्स नगर से ब्रिटिश कोलंबिया के प्रिंस रूपर्ट तक जाता है।